लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 21 May 2023

HINDUSTAN PAGE 6

भारत अब विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार : रवि

व्याख्यान

एलयू के राजनीति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने व्याख्यान दिया।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को वीएसराम मेमोरियल व्याख्यान हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था पर व्याख्यान दिया।

राज्यपाल आरएन रवि ने भारत में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वीएस राम के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है। भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। साथ ही भारतीय दृष्टि से वैश्विक समस्या-समाधान की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः, 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्त्व है।

उन्होंने कहा कि भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है बल्कि यह इसे मां के सदृश मानती है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविन्द और गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने इसी स्वरुप को अंगीकार कर हमें प्रेरित किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग एक गौरवशाली परम्परा का वाहक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के द्वारा जी 20 की अध्यक्षता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। लखनऊ विश्वविद्यालय जी-20 पर एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर चुका है जिसमें विभिन्न देशों के विद्वानों ने भागीदारी की। विभागाध्यक्षा प्रो. मनुका खन्ना ने प्रो. वी. एस. राम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रो. वीएस राम ने 1922 में लखनऊ विश्वविद्यालय में देश का राजनीति विज्ञान का प्रथम स्वतंत्र विभाग स्थापित किया था।

इस मौके पर संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द अवस्थी, प्रो. कमल कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

एलयू छात्रों ने देखा वॉटर ट्रीटमेंट

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकी संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से छात्रों को जल कल विभाग, ऐशबाग में इंडस्ट्रियल भ्रमण कराया गया। जहां छात्रों ने वाटर ट्रीटमेंट प्रोसेस को देखा और बारिकियों को समझा। जिससे उन्हें वाटर ट्रीटमेंट प्रोसेस की नई तकनीकों का ज्ञान प्राप्त हुआ। छात्रों ने जाना कि प्रतिदिन 200 मिलियन लीटर पानी कैसे साफ किया जाता है।

NBT PAGE 4

'अपने विद्वानों की थ्योरी पढ़ाने पर हो फोकस'

एलयू में मालवीय सभागार में 'इंडियन प्रेसिडेंसी ऑफ जी-20 ऐंड द वर्ल्ड ऑर्डर' विषय पर तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने दिया व्याख्यान।

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ : विश्वविद्यालयों में स्टूडेंट्स को विदेशी विद्वानों के बारे में ज्यादा पढ़ाया जाता है। इसके बजाय हमें अपने दार्शनिकों और विद्वानों की थ्योरी पढ़ानी चाहिए। ये सुझाव शनिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने एलयू के मालवीय सभागार में दिए। 'इंडियन प्रेसिडेंसी ऑफ जी-20 ऐंड द वर्ल्ड ऑर्डर' विषय पर हुए प्रो. वीएसराम मेमोरियल व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पढ़ाई के मामले में हमें पश्चिमी देशों पर निर्भरता कम करनी चाहिए।

'भारत का कद बढ़ा है'

राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद ताकतवर देशों ने एक समूह बनाया। ये देश अपने हिसाब से थ्योरी बनाकर दूसरे देशों पर लागू करते हैं, हालांकि अब भारत का कद विश्व में काफी बढ़ा है। इसका बड़ा कारण हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था और दुनिया के प्रति हमारा नजरिया है। कोरोना काल में हमने 150 से अधिक देशों को वैक्सीन मुहैया करवाई। इससे भी भारत की छवि बेहतर हुई है।

पड़ोसी को देना होगा जवाब

राज्यपाल ने कहा कि हमारा पड़ोसी मुल्क आतंकवाद के जरिए हमें परेशान करता है। इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा। पड़ोसी मुल्कों से संबंध रखने के बारे में नए तरीके से सोचना होगा। उन्होंने कहा कि युद्ध चाहे कहीं भी हो, उसका असर दुनिया के हर देश को झेलना पड़ता है। रूस-यूक्रेन युद्ध का असर पूरा विश्व झेल रहा है। इस दौरान एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय, प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. पूनम टंडन, डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव समेत कई शिक्षक और स्टूडेंट मौजूद रहे।

एलयू के स्टूडेंट्स ने देखा वॉटर ट्रीटमेंट प्रॉसेस

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के स्टूडेंट्स को शनिवार को ऐशबाग वॉटरवर्क्स का इंडस्ट्रियल विजिट किया। भियांत्रिकीय संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि स्टूडेंट्स को वॉटर ट्रीटमेंट प्रोसेस के बारे में जानकारी दी गई। इस वॉटरवर्क्स में रोजाना 200 मिलियन लीटर पानी का सेडीमेंटेशन, फिल्ट्रेशन और क्लोरिनेशन कर शहर में सप्लाई किया जाता है। का कहना है कि इस तरह की विजिट से स्टूडेंट्स काफी कुछ सीखते हैं।

एलयू की प्रो. मधु को मिली फेलोशिप

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू में अंग्रेजी एवं आधुनिक योरोपीय भाषा विभाग की प्रो. मधु सिंह को 6 माह की फुलब्राइट अकैडमी ऐंड प्रफेशनल एक्सिलेंस फैलोशिप मिली है। उन्हें यह फेलोशिप यूएस की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से दी गई है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

31 तक भरें लविवि के परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लविवि ने पढ़ाई के साथ सम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर दी है। बीटेक, एलएलबी, एलएलबी ऑनर्स, बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे पाठ्यक्रमों के परीक्षा फॉर्म भरने के लिए 31 मई की तिथि तय की है। फॉर्म दो जून तक जमा किए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि परिसर के विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने के बाद उसका प्रिंटआउट विभागाध्यक्ष के पास जमा करना होगा। इसके बाद ये परीक्षा विभाग भेजे जाएंगे। महाविद्यालय के विद्यार्थी अपने फॉर्म प्राचार्य के पास जमा करेंगे। वहां से परीक्षा फॉर्म फीस का भुगतान करने के बाद परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में जमा होंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN PAGE 8

'भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार'

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का सम्मान करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● जागरण

जासं, लखनऊ : तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा है कि आज भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है। भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश पर चर्चा करते हुए उन्होंने भारतीय दृष्टि से वैश्विक समस्या-समाधान की ओर अग्रसर होने का आह्वान भी किया। वह शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से मालवीय सभागार में आयोजित प्रो. वीएस राम मेमोरियल व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

मां सरस्वती एवं प्रो. वीएस राम के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद उन्होंने भारत में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वीएस राम के योगदान की सराहना की। 'भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था' विषय पर हुए व्याख्यान में कहा कि 'सर्वे भवंतु सुखिनः, 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्त्व है। भारतीय दृष्टि धरती को भूगोल मानने तक सीमित न होकर इसे मां के समान मानती है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविन्द और गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने इसी स्वरुप को अंगीकार कर हमें प्रेरित किया है।

वापस लानी होगी सम्पन्न भारत की तस्वीर : राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि हमें इसी दृष्टि से भारत की जी-20 की अध्यक्षता को लेना होगा। साथ ही पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लवि के राजनीति विज्ञान विभाग एक गौरवशाली परम्परा का वाहक रहा है। भारत के द्वारा जी 20 की अध्यक्षता सभी के लिए गर्व का विषय है।

प्रो. मधु सिंह को फेलोशिप

प्रो. मधु सिंह ●

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रो मधु सिंह को छह महीने के लिए फुलब्राइट एकेडमी एंड प्रोफेशनल एक्सीलेंस फेलोशिप अवार्ड किया गया। यह फेलोशिप स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, द यूनाइटेड स्टेट्स से छह माह के लिए दी गई है, जो एक सितंबर से शुरू होगी। (जासं)

छात्रों ने देखा वाटर ट्रीटमेंट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने शनिवार को जल कल विभाग ऐशबाग में औद्योगिक यात्रा की। छात्रों ने वाटर ट्रीटमेंट की प्रक्रिया देखी। उन्हें वाटर ट्रीटमेंट की नई तकनीकों की जानकारी भी मिली। बताया गया कि प्रतिदिन 200 मिलियन लीटर पानी का प्रारंभिक उपचार किए जाने के बाद सेडीमेंटेशन, फिल्ट्रेशन, क्लोरिनेशन करके पानी को पाइपलाइन के माध्यम से शहर में वितरित किया जाता है। यह औद्योगिक यात्रा इंजीनियर जितेंद्र प्रताप सिंह एवं गौरव श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई। (जासं)

31 तक दें रिपोर्ट, 15 जून तक कालेजों को सम्बद्धता

डिग्री कालेजों में नए पाठ्यक्रमों और विषयों की सहयुक्तता के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किए निर्देश

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से नए एवं पुराने महाविद्यालयों में नवीन कोर्स तथा विषय चलाने की सहयुक्तता लेने के लिए निरीक्षण मंडल की ओर से पोर्टल पर निरीक्षण रिपोर्ट अपलोड करने में लापरवाही बरती जा रही है। अधिकांश कालेजों की न तो रिपोर्ट अपलोड हुई न ही उसकी प्रति विश्वविद्यालय को भेजी गई। ऐसे में कुलसचिव संजय मेधावी ने शनिवार को पांचों जनपदों के महाविद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्राचार्यों को निर्देश जारी कर 31 मई तक निरीक्षण मंडल को अपनी रिपोर्ट पोर्टल पर आनलाइन अपलोड करने के लिए कहा है।

दरअसल, शासन ने कालेजों को सहयुक्तता देने की समय सारिणी तय कर रखी है। इसी आधार पर लवि ने 10 अप्रैल तक निरीक्षण मंडल का गठन कर 31 मई तक निरीक्षण आख्या देने का समय निर्धारित किया है। कुलसचिव संजय मेधावी की ओर से जारी पत्र के के अनुसार सदस्य सचिव को पांच जून तक अपनी आख्या आनलाइन अपलोड करनी है। लेकिन अधिकांश महाविद्यालयों की स्थलीय निरीक्षण आख्या पोर्टल henoc.upsdc.gov.in पर अभी तक नहीं अपलोड की गई। न ही उसकी प्रति उपलब्ध कराई। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि निर्धारित समय बीतने के बाद 16 जून को लंबित आवेदन पत्र पोर्टल से हटा दिया जाएगा। संस्था को नया आवेदन पत्र जमा करना होगा। इसलिए जिन कालेजों को आनलाइन स्थायी, अस्थायी सहयुक्तता के लिए निरीक्षण मंडल नामित किए जा चुके हैं, वह 31 मई तक रिपोर्ट अपलोड कर दें। विश्वविद्यालय 15 जून तक आनलाइन सम्बद्धता जारी करेगा।

LOKSATYA PAGE 2

जी 20 की अध्यक्षता हम सभी के लिए गर्व का विषय: कुलपति

भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार: राज्यपाल

लखनऊ, लोकसत्य

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने कहा कि आज भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है, भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। भारतीय दृष्टि से वैश्विक समस्या-समाधान की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, 'सर्वे भवन्तु सुखिनः,' 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्त्व है। श्री रवि लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मालवीय सभागार में आयोजित वी.एस.राम मेमोरियल व्याख्यान के तहत ..भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था.. विषय पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वी.एस.राम के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है अपितु यह इसे माँ के सदृश मानती है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविन्द और गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने इसी स्वरुप को अंगीकार कर हमें प्रेरित किया है। आज हमे इसी दृष्टि से भारत की जी 20 की अध्यक्षता को लेना होगा, पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा, आज मानवता के कल्याण के लिए भारत के पास एक सशक्त नेतृत्व है जिसने नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र से लेकर आर्थिक विकास एवं सामरिक हितों को सशक्त किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग एक गौरवशाली परम्परा का वाहक रहा है। भारत के द्वारा जी 20 की अध्यक्षता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। लखनऊ विश्वविद्यालय जी-20 पर एक वृहद् कार्यक्रम का आयोजन कर चुका है जिसमें विभिन्न देशों के विद्वानों ने भागीदारी की। विभागाध्यक्षा प्रो. मनुका खन्ना ने प्रो. वी. एस. राम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रो. वी. एस. राम के प्रयासों को स्मृति के रूप में आयोजित किया जाता है, जिन्होंने 1922 में लखनऊ विश्वविद्यालय में देश का राजनीति विज्ञान का प्रथम स्वतंत्र विभाग स्थापित किया था।

स्टूडेंट्स ने इंडस्ट्रीयल विजिट में वॉटर ट्रीटमेंट प्रोसेस देखा

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा छात्रों को जल कल विभाग, ऐशबाग में इंडसट्रियल विजिट कराई गयी। जहाँ छात्रों ने वाटर ट्रीटमेंट प्रोसेस को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

जिससे उन्हें वाटर ट्रीटमेंट प्रोसेस की नई तकनीकों का ज्ञान प्राप्त हुआ। वहां उन्हें ज्ञात हुआ कि प्रतिदिन 200 मिलियन लीटर पानी का प्रारंभिक उपचार किए जाने के बाद ' सेडीमेंटेशन', ' फिल्ट्रेशन', ' क्लोरिनेशन' करके पानी को पाइपलाइन के माध्यम से शहर में वितरित किया जाता है। इस इंडसट्रियल विजिट का सफलतापूर्वक आयोजन अभियांत्रिकीय संकाय के डीन प्रोफेसर ए.के. सिंह की अध्यक्षता व इंजीनियर जितेंद्र प्रताप सिंह, एवं इंजी. गौरव श्रीवास्तव के नेतृत्व मे संपन्न हुआ।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि की प्रो. मधु सिंह को मिली फेलोशिप

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) की अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रो. डॉ. मधु सिंह को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, द यूनाइटेड स्टेट्स की छह माह की फेलोशिप मिली है। प्रो. मधु सिंह को छह माह के लिए फुलब्राइट एकेडमी एंड प्रोफेशनल एक्सीलेंस फैलोशिप 2023-24 अवार्ड किया गया है। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह फेलोशिप स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, द यूनाइटेड स्टेट्स की तरफ से छह माह के लिए दी गई है, जो एक सितंबर 2023 से शुरू होगी।

i-NEXT PAGE 3

पार्ट टाइम पीएचडी के परिणाम जारी

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय ने आठ और विषयों में पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है. इनमें सांख्यिकी, जूलाजी, अंग्रेजी, उर्दू, फिजिक्स, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, हिन्दी व फ्रेंच विषय शामिल है. चयनित अभ्यर्थी को 26 मई तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है. इससे पहले कामर्स और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की सूची जारी हुई थी.

स्टूडेंट्स ने देखा वाटर ट्रीटमेंट प्रॉसेस

एलयू के इंजीनियरिंग फैकल्टी के स्टूडेंट्स ने इंडस्ट्रियल विजिट में वॉटर ट्रीटमेंट प्रोसेस को देखा. सिविल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स जल कल विभाग, ऐशबाग में इंडस्ट्रियल विजिट कराई गयी. संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह की अध्यक्षता व इंजीनियर जितेंद्र प्रताप सिंह, एवं इंजी. गौरव श्रीवास्तव इस दौरान मौजूद रहे.

डॉ. मधु सिंह को मिली फेलोशिप

एलयू की अंग्रेजी व आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रोफेसर डॉ मधु सिंह को फुलब्राइट एकेडमी एंड प्रोफेशनल एक्सीलेंस फैलोशिप 2023 अवार्ड से नवाजा गया है. यह छ महीने की फेलोशिप स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, द यूनाइटेड स्टेट्स की तरफ से मिली है. यह 1 सितंबर से शुरू होगी.

THE PIONEER PAGE 2

'India ready to lead world'

PNS ■ LUCKNOW

Governor of Tamil Nadu RN Ravi delivering a lecture at LU

Governor of Tamil Nadu RN Ravi said India is ready to lead the world, and there is a change in the global outlook towards the country.

The TN governor was speaking as the chief at the 'VS Ram Memorial Lecture' organised by the department of political science, Lucknow University, on Saturday. Ravi delivered a lecture on 'India's presidency of G-20 and the world order' and also appreciated the contribution of Prof VS Ram in the field of political science in India.

He threw light on problems like climate change, war, terrorism, and global poverty. He called for adopting the Indian vision in solving the outstanding problems of the world.

"This Indian vision consists in its traditional philosophy 'Sarve Bhavantu Sukhinah', and 'Vasudhaiva Kutumbakam is the life element of Indian philosophy. This vision is not limited to considering the earth as a mere geographical entity, but the mother. Swami Vivekananda, Maharishi Arvind and Gurudev Rabindranath Tagore have inspired us by adopting this approach. We have to take forward India's presidency of G20 with this vision; we have to bring back the past glory of India which was highly prosperous at one time. Today, India has a strong leadership and it is giving new direction to the country," the TN governor said. The programme was presided over by Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, who said that India's G20 presidency is a matter of pride for all.

Head of the department of political science Prof Manuka Khanna shed light on the life and profile of Prof VS Ram. The function was attended by a large number of teachers and students of universities and colleges. Earlier, floral tributes were offered to the portrait of Prof Ram.

TOI PAGE 2

Fullbright fellowship for LU English prof

Times News Network

Lucknow: Lucknow University's department of English and Modern European Languages faculty Prof Madhu Singh has been awarded the prestigious Fulbright-Nehru Academic and Professional Excellence (FNAPE) Fellowship for 2023-24.

"I have been awarded the scholarship for my proposed research on 'Revolutionary Print Culture, Ephemeral Remains and Vernacular Subjectivities in North America (1910-1940), During and after the Ghadar Movement. The duration of my fellowship is six months starting Sep 1, 2023,' said Prof Madhu.

"I would be affiliated to Stanford University, US. This is the first Fulbright Fellowship in the category of academic and professional excellence to be awarded to a faculty at the department. Other colleagues have received Fulbright fellowships in different categories," she added.

"In my project, I propose to trace the role of California-based periodicals by expatriate Punjabi-Sikh writers on the anticolonial struggle in India, spanning the late 19th and early 20th centuries," she said and added that her focus would be on biographies and autobiographies of Ghadar activists, recorded interviews, and printed ephemera in Indian vernacular languages and English. "I am grateful to my university for extending support to my endeavour and promoting a vibrant research culture," she said.

TN guv for more Indian content in pol science course

Times News Network

Lucknow: Tamil Nadu governor **RN Ravi** said students should know their history well for which they should study the works of Swami Vivekananda, Rabindranath Tagore and Maharishi Arvind.

He was speaking during the VS Ram Memorial Lecture organised by the department of political science at LU's Malviya Hall on Saturday.

"There is a need to make changes in the syllabus of political science. In place of teaching foreign theories and concepts the subject should have more Indian contents," said Ravi.

Speaking on the topic "India's Presidency of G-20 and the World Order" he said: "India was ready to lead the world as today there is a change in the global outlook towards India. Today we are seen as a country developing at a fast pace."

The governor spoke on problems like climate change, war, terrorism and global poverty and made an appeal for adopting the Indian vision in solving these issues.

"Traditional philosophy Sarve Bhavantu Sukhinah (May everyone be happy), Vasudhaiva Kutumbakam (the world is one family) is the life element of Indian philosophy and Indian life vision. This vision is not limited to considering the earth as a mere geographical entity, rather it considers it like a mother. Today India has a strong leadership which is giving new directions to the country," he said.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 8

वीएस राम के विचार आत्मसात करें युवा

लखनऊ (एसएनबी)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने देश में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वीएस राम के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके लिखे विचार आज युवाओं को पढ़कर आत्मसात करना चाहिए। श्री रवि लखनऊ विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वीएस राम मेमोरियल व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल तमिलनाडु ने भारत की जी-20 में अध्यक्षता और विश्व व्यवस्था विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने भारत में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वीएस राम के योगदान की सराहना की। आज भारत के प्रति वैश्विक दृष्टि में परिवर्तन आ चुका है, आज भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद और वैश्विक निर्धनता के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। भारतीय दृष्टि से वैश्विक समस्या-समाधान की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया। सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम भारतीय दर्शन एवं भारतीय जीवन दृष्टि का प्राण तत्त्व है। भारतीय दृष्टि धरित्री को भूगोल मानने तक सीमित नहीं है अपितु यह इसे मां के सदृश मानती है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविन्द और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसी स्वरूप को अंगीकार कर हमें प्रेरित किया है। आज हमें इसी दृष्टि से भारत की जी 20 की अध्यक्षता को लेना होगा, पूर्व में आर्थिक रूप से संपन्न रहे भारत की तस्वीर को वापस लाना होगा। आज मानवता के कल्याण के लिए भारत के पास एक सशक्त नेतृत्व है जिसने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र से लेकर आर्थिक विकास एवं सामरिक हितों को सशक्त किया है। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं प्रो. वीएस राम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो.अरविन्द अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग एक गौरवशाली परम्परा का वाहक रहा है। भारत के द्वारा जी 20 की अध्यक्षता हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

■ तमिलनाडु के राज्यपाल ने देश में राजनीति विज्ञान के उन्नयन में वीएस राम के योगदान की सराहना की

लखनऊ विश्वविद्यालय जी-20 पर एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन कर चुका है जिसमें विभिन्न देशों के विद्वानों ने भागीदारी की। वक्ताओं ने कहा कि प्रो. वीएस राम के प्रयासों को स्मृति के रूप में आयोजित किया जाता है, जिन्होंने 1922 में लखनऊ विश्वविद्यालय में देश का राजनीति विज्ञान का प्रथम स्वतंत्र विभाग स्थापित किया था। प्रो. वीएस राम ने भारतीय राजनीति विज्ञान संघ के चौथे अध्यक्ष के रूप में भारत में इस अनुशासन को आकार देने में महती भूमिका का निर्वहन किया। वे 'लीग ऑफ नेशंस' के 'राजनीतिक अनुभाग' के सदस्य थे और उन्होंने सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन में योगदान दिया; जिसने संयुक्त राष्ट्र की नींव रखी। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस और जवाहरलाल नेहरू जैसे राष्ट्रवादियों के साथ मिलकर काम किया। व्याख्यान विभाग में एक प्रतिष्ठित समारोह है और इसमें टीएन चतुर्वेदी, आइके गुजराल, डॉ. पीसी अलेक्जेंडर, डॉ. सईदा हमीद, प्रो. वाईके अलघ, डॉ. आबिद हुसैन, इंदर मल्होत्रा, न्यायमूर्ति एसआर लोहटी, वीपी सिंह, प्रो. राजेन हर्षे, राम नाइक और पीए संगमा, जैसे विशिष्ट अतिथियों ने उपस्थित होकर इस श्रृंखला को समृद्ध किया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिखा चौहान ने किया।

VoL PAGE 2

युद्ध दो देशों में होता है और असर पूरे विश्व पर पड़ता है: आरएन रवि

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

HT PAGE 4

LU prof gets Fulbright Fellowship, to go to Stanford University

HT Correspondent
letters@htlive.com

Prof Madhu Singh HT PIC

LUCKNOW : Prof Madhu Singh of the department of English and Modern European Languages, Lucknow University, has received the Fulbright- Nehru Academic and Professional Excellence Fellowship and will go to Stanford University, California. This was for the first time that a faculty from the Department of English and Modern European Languages, LU had received this prestigious fellowship, her colleagues in the university said.

Her project title is "Revolutionary Print Culture, Ephemeral Remains, and Vernacular Subjectivities in North America (1910-1940), during and after the Ghadar Movement". Her grant duration is for six months beginning September 1, 2023.

"I had applied for it for the first time without expecting much but in November 2022, I was shortlisted and finally I got the award letter on May 8 this year. Happy to get this opportunity and looking forward to Stanford University, "she said.

"My research work coincides with the union government's Amrit Mahotsav programmes on India's freedom struggle. As India celebrates 75th year of independence, it is important to revisit and re-examine Indian freedom struggle across geographical boundaries," said an elated Prof Singh. She will be working essentially on anti-colonial sentiments among the expatriate Punjabi Sikh community which had migrated to the United States and Canada.

"By 1910 there were about 30,000 Indian workers between Vancouver and San Francisco. And two years later many vernacular newspapers had sprung up in US and Canada. In these publications they articulated racial discrimination and exclusion at these places as well as about British colonial subjugation in India," she said.

"It is under these trying circumstances that a Ghadar Party was formed and the organization published newspapers, periodicals and later works of fiction, autobiographies, biographies, political activists and Ghadar heroes," said Prof Singh. The party also printed and circulated posters, handbills and leaflets to overseas Indians in Europe.

TARUN MITRA PAGE 2

भारत विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार: रवि